विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

विषय - हिंदी ***दिनांक- 01/06/2020***
वर्ग - तृतीय ***वर्ग-शिक्षिका — नीतू कुमारी***

पाठ — 3 (असली मीर- नक़ली मीर)
कहानी

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में आपको कहानी अध्ययन करना है। जो इस प्रकार है।

बादशाह अकबर के दरबार में एक दिन अमीर मीर अली को लेकर शहर के कोतवाल साहब हाज़िर हुए। मीर अली के साथ एक और आदमी ,जिसकी वेशभूषा भी मीर अली की तरह ही थी। दोनों अपने आप को असली मीर अली बता रहे थे और एक- दूसरे को अपना धोखेबाज़ नौकर बता रहे थे, जो दस वर्ष पहले अपने मालिक की दौलत लेकर भाग गया था। कोतवाल साहब ने दोनों को सड़क पर बुरी तरह झगड़ते देखा था। वे असली - नक़ली मीर अली का फ़ैसला नहीं कर पा रहे थे।

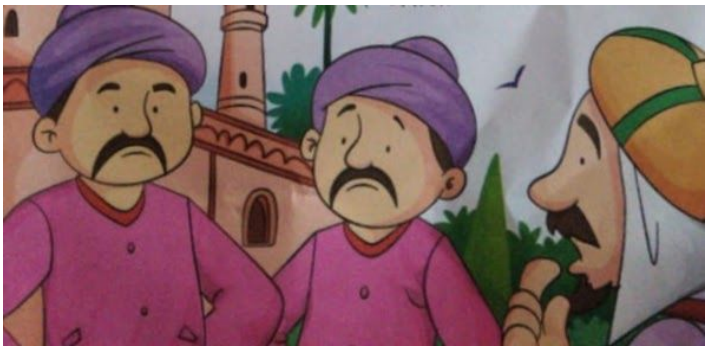

इसीलिए उन्हें दरबार में ले आए थे। बादशाह अकबर भी उन दोनों को देखकर उलझन में पड़ गए। उन्होंने बीरबल से पूरा मामला समझकर हल निकालने को कहा।

आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य :—

बच्चों दी गयी कहानी पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें एवं कठिन शब्द छाँटकर लिखें।